4 नईदुनिया
जबलपुर, गुरुवार 30 दिसंबर, 2021
जबलपुर सिटी/ आसपास

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जमतरा में नदी उत्सव मनाया

नदी उत्सव का आयोजन कर ग्राम जमतरा में की सफाई। ● सौजन्य टीएफआरआइ

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआइ) और भारत तिब्बत सीमा पुलिस ने संयुक्त रूप से आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत नदी उत्सव का आयोजन किया। नर्मदा नदी से लगे ग्राम जमतरा में विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया गया। आयोजन में टीएफआरआइ, आइटीबीपी के अधिकारियों-कर्मचारियों और केंद्रीय विद्यालय टीएफआरआइ व देहली पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में नदी के आस-पास की सफाई की गई। इस अवसर पर टीएफआरआइ के निदेशक डॉ. जी राजेश्वर राव, विज्ञानी डॉ. अविनाश जैन, आइएएस शेर सिंह मीणा, एम राजकुमार, धीरज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

राज एक्सप्रेस | महानगर | गुरुवार 30 दिसंबर 2021 | www.rajexpress.co | 5 | जबलपुर

नर्मदा नदी के जमतरा घाट पर स्वच्छता कर दिया जागरूकता का संदेश

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत नदी उत्सव का आयोजन

जबलपुर (आरएनएन)। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) ने भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के साथ संयुक्त रूप से आजादी का अमृत महोत्सव के तहत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की एक संयुक्त पहल नदी उत्सव के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नर्मदा नदी के जमतरा घाट पर छात्रों और स्थानीय लोगों में नदी और उसके आसपास स्वच्छता की जागरूकता के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में टीएफआरआई एवं आईटीबीपी के अधिकारियों व कर्मचारियों और केंद्रीय विद्यालय टीएफआरआई एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नर्मदा नदी पर दी गई जानकारी

कार्यक्रम में डॉ.अविनाश जैन प्रमुख एवं वैज्ञानिक वन पारिस्थितिकी और जलवायु परिवर्तन प्रभाग ने पवित्र नदी नर्मदा के बारे में तथ्यों को साझा किया और संस्थान द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली को नर्मदा नदी के कायाकल्प हेतु प्रस्तुत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट-डीपीआर के बारे में जानकारी दी। टीएफआरआई निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने मंत्रालय द्वारा डीपीआर अनुमोदन की प्रगति के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि शेर सिंह मीणा अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने नदियों के महत्व के बारे में बताते है अपने आसपास इलाके में और पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों की भागीदारी एवं योगदान से नर्मदा नदी के आसपास के घाट की सफाई कर किया गया। आयोजन में एम. राजकुमार और धीरज गुप्ता ने आयोजन के प्रबंधन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

Celebration of Rivers at Jamtara Ghat of Narmada River (29/12/2021)

नदी उत्सव मनाया, छात्रों से कहा-नदियों का संरक्षण करें, ताकि भविष्य हो बेहतर

जबलपुर। स्कूली छात्रों को एक्सपर्ट ने नदियों के संरक्षण का महत्व बताया। वहीं जमतरा घाट पर स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। मौका था उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, आईटीबीपी के साथ संयुक्त रूप से आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हुए कार्यक्रम का। पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय व जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की एक संयुक्त पहल नदी उत्सव के तहत हुए कार्यक्रम में टीएफआरआई केंद्रीय विद्यालय एवं डीपीएस के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शुभारंभ पर डॉ. अविनाश जैन, वैज्ञानिक वन पारिस्थितिकी और जलवायु परिवर्तन प्रभाग, टीएफआरआई ने पवित्र नदी नर्मदा के बारे में तथ्यों को साझा किया। उन्होंने संस्थान द्वारा पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली को नर्मदा नदी के कायाकल्प के लिए प्रस्तुत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। डॉ. जी. राजेश्वर राव, निदेशक टीएफआरआई ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने मंत्रालय द्वारा डी.पी.आर अनुमोदन की प्रगति पर जानकारी दी। मुख्य अतिथि एडीएम शेर सिंह मीणा, आईएएस ने नदियों के महत्व के बारे में बताते हुए छात्रों को आसपास इलाके में और अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। समापन नर्मदा नदी के आसपास के घाट की सफाई कर किया गया। एम. राजकुमार और धीरज गुप्ता ने आयोजन के प्रबंधन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

तौबा ये मत
जबलपुर।
चाल...
जैसे गीत
समाँ बाँध
म्यूजिकल
में फूड
संगीत
विजय
दी। जी
सिंह क
स्वरां
जबल
महाविद्
स्मृति
स्वरांज
शाम 6

टीएफआरआई ने आजादी के अमृत महोत्सव में मनाया 'नदी उत्सव'

जबलपुर. उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई), जबलपुर ने भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के साथ संयुक्त रूप से 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की एक संयुक्त पहल "नदी उत्सव" के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया। नर्मदा नदी के जमतरा घाट पर छात्रों और स्थानीय लोगों में नदी और उसके आसपास स्वच्छता की जागरूकता दिखाई।

इस दौरान टीएफआरआई, आईटीबीपी, केंद्रीय विद्यालय, टीएफआरआई, दिल्ली पब्लिक स्कूल आदि के छात्रों ने भाग लिया। टीएफआरआई के प्रमुख एवं वैज्ञानिक डॉ. अविनाश जैन ने नदी नर्मदा के बारे में तथ्यों को साझा किया और संस्थान द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली को नर्मदा नदी के कायाकल्प हेतु प्रस्तुत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी।

डॉ. जी.राजेश्वर राव, एआरएस, निदेशक, टीएफआरआई ने डीपीआर में सुझाए गए कृषि वानिकी और वानिकी मॉडल के लाभों के बारे में भी बताया। मुख्य अतिथि शेर सिंह मीणा, आईएएस, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, शहरी-2 (रांझी) जबलपुर ने इस राष्ट्रव्यापी आयोजन के महत्व के बारे में सभा को संबोधित किया। उन्होंने नदियों के महत्व के बारे में बताते हुए छात्रों को अपने आसपास इलाके में और पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। एम. राजकुमार और धीरज गुप्ता ने आयोजन के प्रबंधन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2021-12-30 | Page- 4
ehitavada.com

TFRI, ITBP organise event under 'Celebration of Rivers'

■ Staff Reporter

TROPICAL Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur, jointly with Indian Tibetan Border Police (ITBP) organised event under 'Celebration of Rivers', a joint initiative of Ministry of Environment, Forests and Climate Change (MoEFCC) and Ministry of Jal Shakti, Government of India as part of 'Azadi ka Amrut Mahotsava'. The celebration took place at Jamtara Ghat of Narmada river with the objective to instil awareness among the students and locals of the area to keep the river and its surroundings clean. It was enthusiastically participated by the officers and staff members of the TFRI &ITBP and students from Kendriya Vidhyalaya, TFRI & Delhi Public School.

During the inaugural of the event, Dr. Avinash Jain, Head and Scientist, Forest Ecology and Climate Change Division, shared facts about the holy river Narmada and briefed about the Detailed Project Report (DPR) submitted by the institute to the MoEFCC for rejuvenation of the river Narmada. Dr. G. Rajeshwar Rao, ARS, Director, TFRI welcomed the guests and updated about the progress of DPR approval by the ministry. He also stated the advantages of the suggested agroforestry and forestry models in the DPR proposal for rejuvenation of the river throughout its course of flow.

Officers of TFRI and ITBP during cleanliness drive under 'Celebration of Rivers at Jamtara.

Chief Guest Sher Singh Meena, IAS, Addl. District Magistrate, Urban-2 (Ranjhi) Jabalpur addressed the gathering about the importance of this nationwide event. He also spoke about the importance of rivers and encouraged students for plantation of tree in and around their locality. He also assured that on approval of DPR by ministry the District administration will fully cooperate for its implementation. Thereafter, the event concluded with the cleanliness drive by cleaning the surrounding ghat of the Narmada River with participation from all the officers, staff members and students present at the event.

M. Rajkumar and Dheeraj Gupta actively participated in the management of the event.

Powered by iDocuments